मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MTT–051

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.-051 : अनुवाद : सिद्धांत एवं परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या **9** अनिवार्य है। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में तथा प्रश्न संख्या **9** में पूछी गई टिप्पणियों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **350** शब्दों में दीजिए।*

---

1. अनुवाद के सीमित संदर्भ पर प्रकाश डालिए।

2. अननुवाद्यता का अर्थ स्पष्ट करते हुए अनुवाद की सीमाओं की विवेचना कीजिए।

3. आधुनिक भारतीय अनुवाद सिद्धांतों एवं सिद्धांतकारों की चर्चा कीजिए।

4. 'पुनर्लेखन के रूप में अनुवाद' पर एक निबंध लिखिए।

5. मध्यकालीन पाश्चात्य अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए।

6. ज्ञानानुशासन के रूप में अनुवाद अध्ययन की यात्रा का वर्णन कीजिए।

7. "अनुवाद कोई तटस्थ क्रिया नहीं है।" उत्तर-औपनिवेशिकता के आलोक में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

8. 'भूमंडलीय बाज़ार में भाषा के महत्व और अनुवाद की प्रासंगिकता' की चर्चा कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) तेजस्विनी निरंजना का अनुवाद सिद्धांत

(ख) जेंडर साहित्य का अनुवाद

(ग) अनुवाद, पर्यटन एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार

(घ) अमेरिकी अनुवाद परंपरा

× × × × ×